

प्रेषक,

टी०आर० भट्ट
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक : 01 सितम्बर, 2006

विषय : एम०बी०बी०एस० उत्तीर्ण छात्रों को कम्पलसरी रोटेटरी इन्टरनशिप दिये जाने के सम्बन्ध में तीन चिकित्सालयों की निरीक्षण फीस की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्र सं०-26प/चि०शि०/7/2004/25036 दिनांक 14 अगस्त 2006 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2006-07 में एम०बी०बी०एस० उत्तीर्ण छात्रों को कम्पलसरी रोटेटरी इन्टरनशिप दिये जाने के सम्बन्ध में मेडिकल काउंसिल ऑफ इण्डिया नई दिल्ली की निरीक्षण फीस हेतु रुपये 50,000/- (रुपये पचास हजार) प्रति चिकित्सालय अर्थात् $50,000 \times 3 = 1,50,000$ (रुपये एक लाख पचास हजार मात्र) की प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि के व्यय करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. स्वीकृत धनराशि के आहरण से सम्बन्धित बाकचर संख्या एवं दिनांक की सूचना तत्काल उपलब्ध कराई जायेगी तथा धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्राविधानों में बजट मैन्युवेल तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
2. स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति आख्या दशा में माह की 07 तारीख तक निर्धारित प्रारूप पर शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।
3. धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार अथवा मितव्ययता को ध्यान में रखकर किया जाय।

4. उक्त व्यय वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य -आयोजनागत, 05-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान, 105-एलोपैथी, 03-शिक्षा, 04-एलोपैथिक चिकित्सा स्नातकों के लिए अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप के मानक मद-21 छात्र वृत्तियां और छात्र वेतन से देय होगा।
5. यह आदेश वित्त विभाग के असा0 सं0-801/वित्त अनुभाग-3/2006, दिनांक 6.9.2006 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(टी0आर0 भट्ट)
अपर सचिव

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून।
2. निदेशक कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
4. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(ओमकार सिंह)
अनु सचिव

प्रेषक,

टी0आर0 भट्ट
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
होम्योपैथी सेवायें,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 9 सितम्बर, 2006

विषय:- वित्तीय वर्ष 2006-07 में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत होम्योपैथी विभाग की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग के पत्र संख्या-908(1)/XXVII(1)/2006 दिनांक 24 अप्रैल, 2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक की मांगें स्वीकृत होने व तत्सम्बन्धी विनियोग अधिनियम, 2006 पारित होने के फलस्वरूप चिकित्सा शिक्षा (होम्योपैथी विभाग) की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत वेतन, मंहगाई भत्ते अन्य भत्ते तथा अनुदान के रूप में सरकारी सेवकों तथा गैर सरकारी सेवकों के वेतन एवं वचनबद्ध मदों में मजदूरी, विद्युत देय, जलकर किराया, पेन्शन, औषधि, भोजन व्यय, पेट्रोल, टेलीफोन तथा अन्य आवश्यक व्ययों का भुगतान सुनिश्चित किये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 के लिए उपरोक्त वचनबद्ध मदों में (01 अप्रैल से 30 अप्रैल, 2006 तक की वित्तीय स्वीकृतियों को सम्मिलित करते हुए) आयोजनागत पक्ष में कमशः रु0 2185 हजार (रु0 इक्कीस लाख पचासी हजार मात्र) तथा रु0 765 हजार (रु0 सात लाख सैठ हजार मात्र) इस प्रकार कुल रु0 2950 हजार (रु0 उनतीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि को संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ आपके निर्वर्तन पर रखने की श्रीराज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

2- वित्तीय वर्ष 2006-07 की नई मांग की योजनागत पक्ष की स्वीकृतियां आयोजनेत्तर पक्ष में अवचनबद्ध मदों की स्वीकृतियां समस्त चालू निर्माण कार्य, नये निर्माण कार्य, उपकरण व संयंत्र का क्रय तथा वाहन का क्रय आदि मदों की स्वीकृतियां शासन/वित्त विभाग की सहमति से निर्गत की जायेगी।

3- व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने के पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्निकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों हेतु पूरे वर्ष के सम्भावित व्यय की फेजिंग करके प्रशासकीय विभाग कार्यदायी संस्थाओं को अवमुक्त करावेंगे तथा लक्ष्य के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण किया जाना अनिवार्य रूप से आवश्यक होगा।

4- वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में कुछ ऐसी योजनाएँ सम्मिलित हैं जिनका व्यय सरकार अथवा अन्य संस्थाओं द्वारा वहन किया जाना है। उन योजनाओं के कार्यान्वयन

